जेसन आर वार्ड

भूतिया थाईलैंड

मुस्कान की भूमि
में भूत और आत्माएं

भूतिया थाईलैंड

जेसन आर. वार्ड द्वारा

एक संक्षिप्त परिचय

थाईलैंड में एक स्वतंत्र पत्रकार के रूप में काम करते हुए, मैंने कई विषयों पर लिखा है, लेकिन 'थाईलैंड के भूत और आत्माएं' नामक लेख पर शोध करना सबसे दिलचस्प रहा। मेरे संपादक ने इसका नाम बदलकर 'भूतिया थाईलैंड' रख दिया, जो मुझे लगता है कि ज़्यादा आकर्षक शीर्षक है। मुझे देश के कुछ लोकप्रिय भूतों और/या प्रेतवाधित घटनाओं पर 800 शब्दों का लेख लिखने का काम सौंपा गया था, लेकिन थोड़ी सी खोजबीन के बाद मुझे एहसास हुआ कि यह पर्याप्त नहीं होगा। विषय बेहद रोचक था। मैंने आत्माओं, राक्षसों, प्रतिशोधी भूतों, प्रेतवाधित घरों (और यहां तक कि हवाई अड्डों) की कहानियों की खोज में इतना समय बिताया कि मैं लगभग अपनी समय सीमा चूक गया।

वह समय सीमा तो बहुत पहले ही बीत चुकी है और लेख छपने के बाद से अब तक भुला दिया गया है। लेकिन यह एक ऐसा लेख था जो मुझे अच्छी तरह याद है और इसने थाई भूतों, आत्माओं और लोककथाओं में मेरी रुचि जगाई। वास्तविक जीवन में भूत-प्रेत का साया, आत्माओं का प्रवेश और भूतिया घटनाएं आज भी थाई संस्कृति का एक बड़ा हिस्सा हैं, इसलिए मैंने सोचा कि इस ईबुक के माध्यम से मैं अपनी इस रुचि को साझा करूँ। यह कोई विद्वतापूर्ण रचना नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य केवल रोचक जानकारी देना है। मेरे स्रोत समाचार पत्र, लेख, निबंध, विभिन्न वेबसाइटें, थाई मित्र और सियाम सोसाइटी जैसे उपयोगी स्रोतों से प्राप्त अन्य जानकारी के अंश हैं। वर्तनी और कुछ कहानियों में भिन्नता हो सकती है, लेकिन मैंने अपनी जानकारी को संकलित करने का भरसक प्रयास किया है।

तैरते हुए सिरों, विशालकाय शापित दुबली-पतली आकृतियों, पैरों के पसीने से चलने वाले विचित्र आहार वाले प्राणियों और अन्य चीजों के बारे में बात करने से पहले, थाई मान्यताओं का संक्षिप्त परिचय देना शायद उचित होगा। बस पृष्ठभूमि तैयार करने के लिए।

थाईलैंड की धार्मिक संरचना

थाईलैंड एक प्रमुख बौद्ध देश है, जहाँ लगभग 95% लोग बौद्ध धर्म को मानते हैं। दूसरा सबसे बड़ा धर्म इस्लाम है, जिसकी जनसंख्या 4% से थोड़ी अधिक है और ये लोग मुख्य रूप से दक्षिण में रहते हैं। हिंदुओं की आधिकारिक जनसंख्या लगभग 0.03% है, लेकिन यह आंकड़ा जितना दर्शाता है, उससे कहीं अधिक गहराई से थाई मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। इस बारे में थोड़ी देर में और बात करेंगे।

वैसे तो थाई लोगों का मुख्य धर्म बौद्ध धर्म है, लेकिन वे जीववाद या आत्माओं की पूजा में भी दृढ़ विश्वास रखते हैं। और जब मैं दृढ़ विश्वास कहता हूँ, तो शायद यह कहना कम होगा। थाई लोगों का मानना है कि भूत या आत्माएँ, जिन्हें 'पीआई' कहा जाता है (इसे याद रखें क्योंकि आप इसे बार-बार सुनेंगे), हर जगह मौजूद हैं। यदि आप इनमें से किसी भी कहानी को खोजते हैं, तो कृपया ध्यान दें कि एक और आम वर्तनी 'फी' है - जिसका उच्चारण अभी भी कठोर 'पी' के साथ होता है।

आत्मा के घर

बौद्ध धर्म के साथ-साथ आत्माओं में विश्वास का एक अच्छा उदाहरण 'स्पिरिट हाउस' है। इसे 'पीआई हाउस' के नाम से भी जाना जाता है। लगभग सभी घरों, कार्यालयों, मॉल, होटलों आदि के पास एक 'स्पिरिट हाउस' होता है, जो मूल रूप से आसपास के लोगों को बुरी आत्माओं (कभी-कभी तो घोर दुष्ट) से बचाने के लिए बनाया जाता है। ये घर दक्षिण-पूर्व एशिया में धर्म की परवाह किए बिना एक आम विशेषता हैं।

किसी बाहरी व्यक्ति को ये पीई घर (यदि थाईलैंड में हों, तो जाहिर है) किसी चबूतरे पर बने छोटे, बेहद अलंकृत थाई शैली के घरों जैसे दिखेंगे। इनमें तरह-तरह की सजावट और चढ़ावे होंगे, जिनमें सुंदर फूलों की सजावट, मोमबत्तियाँ, जानवरों और इंसानों के छोटे मॉडल से लेकर फल, केक और स्ट्रॉबेरी फैंटा जैसी खाने-पीने की चीजें शामिल होंगी। इस लाल पेय को अक्सर पुराने समय में होने वाली रक्तबलि का प्रतीक माना जाता है। यह बात बौद्ध मान्यताओं से थोड़ी अटपटी लगती है, लेकिन थाईलैंड में कहते हैं, 'माई बपेन राई' ('कोई बात नहीं/चिंता मत करो')।

तीर्थस्थल और अन्य धर्म

जैसा कि पहले बताया गया है, हालांकि हिंदू धर्म जनसंख्या का केवल 0.03% है, लेकिन अगर आप थोड़ा घूमकर देखें तो यह कहीं अधिक व्यापक प्रतीत हो सकता है। बैंकॉक के मध्य में स्थित मेरे घर और मेरे स्थानीय पब के बीच, मैं गणेश जी के दो विशाल मंदिरों के पास से गुजरता हूँ। इसके अलावा, बैंकॉक के आसपास, मैं अक्सर शिव, ब्रह्मा, इंद्र और विष्णु के मंदिरों के पास से गुजरता हूँ। इसका कारण यह है कि जब कंबोडिया के नाम से जाने जाने वाले क्षेत्र से खमेर साम्राज्य थाईलैंड का शासक था, तब वे हिंदू थे।

यहां बड़ी संख्या में थाई चीनी आबादी भी है जो चीनी लोककथाओं और ताओवाद के धार्मिक दर्शन का पालन करती है।

धार्मिक श्रद्धा अर्पित करने में मुझे हमेशा खुशी होती है, और भी बहुत से लोगों के मंदिर हैं - उदाहरण के लिए, मैं किसी कारणवश दो लिंग मंदिरों में जा चुका हूँ। इसके अलावा, कई अन्य लिंगों के भी मंदिर हैं, जैसे कि माई नाक, जिनके बारे में हम आगे सुनेंगे।

मैं इन सब बातों का ज़िक्र थाई लोगों की आत्माओं, धर्मों, भूतों, राक्षसों और देवताओं में आस्था के प्रति खुले विचारों की एक संक्षिप्त झलक के रूप में कर रहा हूँ। यह उनकी संस्कृति के कई पहलुओं में झलकता है, साथ ही कहानियों के प्रति उनके प्रेम में भी। भोजन के प्रति उनका स्वाभाविक जुनून भी स्पष्ट है, क्योंकि थाई भूतों की कुछ विचित्र खाने की इच्छाएँ होती हैं। कई अलौकिक भूत इधर-उधर भटकते रहते हैं, कुछ अच्छे, कुछ बुरे और कुछ बेहद डरावने। अगर आप किसी थाई डीवीडी की दुकान के हॉरर सेक्शन में देखें तो आपको एक ही शैली मिलेगी - भूत। अब चलिए थाईलैंड की सबसे प्रसिद्ध भूत कहानियों में से एक, माए नाक से शुरुआत करते हैं।

माए नाक

माई नाक, जिसे नांग नाक के नाम से भी जाना जाता है, थाईलैंड की सबसे लोकप्रिय भूत कहानियों में से एक है। यह प्रेम, वियोग और एक हिंसक, खूनी भूत की एक क्लासिक कहानी है। इस पर हॉरर, गॉथिक रोमांस, कॉमेडी, एनिमेशन, ओपेरा और यहां तक कि पोर्न सहित कई अलग-अलग शैलियों में दर्जनों फिल्में बन चुकी हैं। 2013 में रिलीज़ हुई 'फी मक फ्रा खानोंग' नामक फिल्म रिलीज़ के समय तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली थाई फिल्म बन गई थी। और यह शायद आखिरी फिल्म नहीं होगी।

माई नाक की कहानी और उसके बाद जो कुछ भी हुआ, वह कथित तौर पर सच्ची घटनाओं पर आधारित है।

माई नाक की कहानी

कहानी 19 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में एक सुखमय युवा जोड़े से शुरू होती है: नाक नाम की महिला और उसके पति मक। वे फ्रा खानोंग क्षेत्र के एक गाँव में नदी के किनारे बने एक ऊंचे खंभों वाले घर में रहते थे। यह जिला अब बैंकॉक के भीतर ही है, लेकिन उस समय यह दूरस्थ और शांत था।

युवा दंपति के लिए सब कुछ अच्छा चल रहा था और जल्द ही उन्हें खुशी का सुख मिला जब नाक को पता चला कि वह गर्भवती है। दुर्भाग्य से, उस समय सियाम राज्य युद्ध में उलझा हुआ था और बच्चे के जन्म से पहले ही मक को सेना में भर्ती कर लिया गया। वह अपनी गर्भवती पत्नी को छोड़कर युद्ध में चला गया जहाँ वह बुरी तरह घायल हो गया। जब वह कहीं और आराम कर रहा था, नाक की प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। यह एक जटिल और दर्दनाक प्रसव था जिसमें दुखद रूप से नाक और उसके बच्चे की मृत्यु हो गई।

यहीं से कहानी दिलचस्प मोड़ लेती है। नाक एक दृढ़ निश्चयी महिला है और उसे समझ नहीं आता कि उसके बेटे और उसकी खुद की मौत एक अच्छे वैवाहिक जीवन और खुशहाल घर के रास्ते में क्यों बाधा बननी चाहिए। इसलिए वह एक भूत बनकर लौटती है और चालाकी से यह दिखावा करती है कि कुछ हुआ ही नहीं। जब मक अपने घावों से उबरकर लौटता है, तो उसे अपनी प्यारी पत्नी और नया बेटा उसका इंतज़ार करते हुए मिलते हैं। गाँव के अन्य लोग, जो जानते थे कि नाक और उसका बच्चा प्रसव के दौरान मर गए थे, इस पूरी व्यवस्था को देखकर थोड़ा घबरा जाते हैं और बेचारे अनजान मक से कुछ दूरी बनाए रखते हैं।

नाक ने संभवतः काफी विश्वसनीय शारीरिक रूप धारण कर लिया था, क्योंकि उसके पति ने उसे महीनों से नहीं देखा था और शायद उसे कुछ 'जरूरतें' थीं। समय बीतता गया और वह इस बात से बेखबर रहा कि उसकी पत्नी और बच्चा भूत बन चुके हैं। गांव वाले यह देखकर थोड़े हैरान थे कि मरी हुई औरत किसी तरह इस धोखे को अंजाम दे रही है, और उन्हें लगा कि कुछ करना जरूरी है। नाक के एक साथी ने फैसला किया कि अब उसे भयानक और परेशान करने वाली सच्चाई बताने का समय आ गया है। लेकिन इससे पहले कि वह सच बता पाता, नाक ने उसे मार डाला। फिर उसने उन सभी लोगों को मार डाला जो उनके खुशहाल परिवार को बर्बाद करने की मूर्खता करते थे।

आखिरकार, मैक को भी कुछ अजीब होने का एहसास होने लगा। उसका शक तब पक्का हो गया जब नाक रात का खाना बना रही थी और उससे एक नींबू का टुकड़ा फर्श में बने छेद से नीचे गिर गया। उसे पता नहीं था कि उसका पति आस-पास ही है, इसलिए उसने बड़ी आसानी से, भूतिया अंदाज़ में, अपना हाथ बढ़ाकर फर्श के नीचे से नींबू उठा लिया। मैक ने यह देखकर स्वाभाविक रूप से अपना खून जमा लिया। शायद अनजाने में ही, उसने कहा कि उसे पेशाब करने के लिए बाहर जाना है।

गाँव के बाकी लोग, जो शुरू से जानते थे कि नाक एक भूत है, लेकिन लगातार हो रही हत्याओं के कारण थोड़े सतर्क थे, आसानी से मान गए कि कुछ करना ज़रूरी है। दुनिया भर की लोककथाओं के गाँव वालों की तरह, उन्होंने कुछ जलती हुई मशालें उठाईं, मक के साथ मिलकर घर को जला दिया। इस योजना की सबसे बड़ी खामी स्पष्ट थी। नाक एक भूत थी और उसका घर जलाना उसे और भी ज़्यादा क्रोधित कर देता।

आखिरकार मैक ने समझदारी दिखाते हुए एक मठ में शरण ली। भूत पवित्र स्थानों से दूर रहना पसंद करते हैं, इसलिए वह सुरक्षित रहा। यह उसके लिए तो अच्छा था, लेकिन उन सभी के लिए नहीं जिन्हें एक अपमानित महिला के क्रोधित, हत्यारे प्रेत का सामना करना पड़ा। नाक का भूत हिंसक हो उठा और उसने अपने पति से दूर जाने वाले हर किसी को मार डाला और अपने घरेलू सुख को भंग करने के लिए सभी को दोषी ठहराया।

गांव वालों ने तुरंत एक शक्तिशाली भूत भगाने वाले भिक्षु से संपर्क किया, जिसने झाड़-फूंक करके नाक की आत्मा को मिट्टी के बर्तन में कैद कर लिया और फिर उसे नदी में फेंक दिया। काम हो गया।

कुछ समय के लिए। इसके बाद क्या हुआ, इसके कई संस्करण हैं, लेकिन उन सभी का अंत नाक के भाग निकलने से होता है। नदी में मिट्टी के बर्तन से बनी जेल, जहाँ लोग मछली पकड़कर अपना जीवन यापन करते हैं, कोई दीर्घकालिक समाधान नहीं था।

वह विक्षिप्त, अलौकिक हत्यारी मशीन वापस आ गई थी और इस बार उसकी शक्ति और भी बढ़ गई थी। इलाके में किसी के पास उसे रोकने की शक्ति नहीं थी। अंततः एक महान भिक्षु, सोमदेत फ्रा फुट्टचन, ने उसकी जान बचाई। उन्होंने नाक की आत्मा को उसकी माथे की हड्डी में समाहित कर लिया और फिर उसे अपनी कमरबंद से बांध लिया। अंततः नाक को शांति मिली और वह कमरबंद अब एक अमिट अवशेष है जिसके बारे में कहा जाता है कि वह थाईलैंड के शाही परिवार के पास है।

मैक के साथ क्या हुआ, इसके कई अलग-अलग मत हैं, लेकिन आमतौर पर उसका अंत अच्छा ही होता है। दो सबसे प्रचलित मत हैं: पहला, वह भिक्षु बन जाता है और अपना जीवन मंदिर में व्यतीत करता है - जो कि समझदारी भरा और तर्कसंगत है - और दूसरा, वह किसी और से मिलता है और एक नया परिवार शुरू करता है - जो कि कम से कम कहने पर भी साहसी कार्य है।

एक दिलचस्प संभावित वैकल्पिक दृष्टिकोण

एक और रोचक कहानी है, जिसका माई नाक और उसकी कहानी से संबंध हो भी सकता है और नहीं भी, जिसे अनेक नावीकमुल नामक एक थाई इतिहासकार ने प्रस्तावित किया है। इतिहासकार पारंपरिक कहानी

पर शोध कर रहे थे जब उन्हें 1899 के सियाम प्रफेट अखबार में एक लेख मिला। लेख में दावा किया गया था कि माई नाक की किंवदंती फ्रा खानोंग (जिसे नाक भी कहा जाता है) की एक महिला पर आधारित है, जो एक स्थानीय प्रतिष्ठित व्यक्ति की बेटी थी। इस महिला की गर्भावस्था के दौरान मृत्यु हो गई थी, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे पहले उसका एक बेटा भी था। इस कहानी के अनुसार, बेटे को थोड़ा डर था कि उसके पिता दोबारा शादी कर लेंगे और अपनी विरासत को दूसरी पत्नी के साथ बांट लेंगे। इसलिए उसने भूत की कहानी गढ़ी और यहां तक कि महिलाओं के कपड़े पहनकर गुजरती नावों पर पत्थर भी फेंके।
चूंकि माए नाक की पारंपरिक कहानी सच्ची घटनाओं पर आधारित मानी जाती है, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि यह वैकल्पिक संस्करण उसी नाक पर आधारित है या नहीं। थाई भाषा में उपनाम आम हैं और इस संस्करण में पति को चूम कहा गया है। पारंपरिक संस्करण निश्चित रूप से अधिक रोचक है।

The Mae Nak Shrine

माए नाक से जुड़ी भयावह और दर्दनाक घटनाओं को देखते हुए, यह आश्चर्य की बात हो सकती है कि फ्रा खानोंग के विशाल मंदिर वाट महाबुत के पास ही उनके लिए एक मंदिर बना हुआ है। थाई लोग क्षमाशील स्वभाव के हैं और वे नियमित रूप से इस मंदिर में दर्शन करने आते हैं, जहाँ नाक और उनके बेटे की प्रतिमा स्थापित है। आगंतुक मदद की उम्मीद में दान देते हैं। जो कुछ घटित हुआ, उसे देखते हुए यह शायद आश्चर्य की बात नहीं है कि ज्यादातर प्रार्थनाएँ महिलाओं की होती हैं, जो प्रसव में आसानी या अपने पतियों को सेना में भर्ती न किए जाने की कामना करती हैं।

क्रासु

क्रासू, जिसे कभी-कभी पी क्रासू भी कहा जाता है, एक ऐसी आत्मा है जो दक्षिण-पूर्व एशिया के अधिकांश हिस्सों में भटकती है। इस पर कई फिल्में भी बन चुकी हैं, जिनमें कभी-कभी इसकी पृष्ठभूमि बताने की कोशिश की जाती है, लेकिन आम तौर पर कहें तो, कोई भी महिला सावधानी न बरतने पर क्रासू बन सकती है। क्रासू (जो इसका थाई नाम है) केवल थाईलैंड में ही नहीं पाई जाती। दक्षिण-पूर्व एशिया में इसे कई नामों से जाना जाता है, जिनमें कंबोडिया में आहप और लाओस में कासु शामिल हैं। इसके कुछ रूप मलेशिया, वियतनाम, फिलीपींस और इंडोनेशिया की लोककथाओं में भी मिलते हैं।

क्रासू एक बेहद खौफनाक आकृति है जिसमें सिर हवा में तैरता रहता है और गर्दन से आंतें व आंतरिक अंग लटकते रहते हैं। ये आमतौर पर आकर्षक युवतियों के रूप में प्रकट होती हैं जिनके शरीर से खून से लथपथ आंतरिक अंग लटकते रहते हैं और एक रहस्यमयी चमक के साथ हवा में तैरती रहती हैं। कभी-कभी इनके पिशाच जैसे नुकीले दांत भी होते हैं।

अगर नुकीले दांतों वाली, अजीब सी चमक वाली और खून से लथपथ लटकती आंतरिक अंगों वाली एक आकर्षक महिला का तैरता हुआ सिर ही काफी विचलित करने वाला नहीं है, तो अब उनके आहार पर एक नजर डालने का समय आ गया है।

क्रासु का स्वादिष्ट रात्रिभोज

थाईलैंड में आम तौर पर यह माना जाता है कि क्रासू एक शापित व्यक्ति है जिसने जीवित रहते हुए कई पाप किए थे। मरने के बाद, इन पापों के कारण उसका पुनर्जन्म क्रासू के रूप में होता है, जो हमेशा भूखी रहने और तरह-तरह की घिनौनी चीजें खाने के लिए अभिशप्त होती है। इनमें बचा हुआ, अधपका या सड़ा हुआ भोजन भी शामिल है, लेकिन इससे भी अधिक भयावह बात यह है कि उन्हें खून और अजन्मे बच्चे भी पसंद होते हैं।

दिन के समय वे एक सामान्य महिला की तरह दिखती हैं, लेकिन रात में उन्हें अपनी भूख मिटानी होती है। वे अपना सिर अलग कर लेती हैं और शिकार पर निकल पड़ती हैं। आदर्श रूप से, वे खून और कच्चा मांस पसंद करती हैं, लेकिन हताशा में वे सड़ा हुआ मांस और यहाँ तक कि मल भी खा लेती हैं। वे मवेशियों और मुर्गियों पर भी हमला कर सकती हैं। जब एक क्रासू अपना स्वादिष्ट भोजन समाप्त कर लेती है, तो वह आसपास लटके हुए किसी भी कपड़े या वस्त्र के टुकड़े से अपना मुंह पोंछ लेती है। इसलिए, थाई ग्रामीण अपने कीमती कपड़ों को खून और मल से सना होने से बचाने के लिए उन्हें रात भर बाहर नहीं छोड़ते।

सबसे भयावह बात यह है कि क्रासू प्रसव से ठीक पहले या बाद में महिलाओं को अपना शिकार बनाने के लिए प्रवृत्त होता है। अपनी अन्य सभी अप्रिय विशेषताओं के अलावा, क्रासू की एक लंबी, पतली और खोजी जीभ होती है जिसे वह भ्रूण या नाल तक पहुँचने के लिए महिला के गुप्तांगों में डालता है। यदि ग्रामीण इलाकों

में किसी थाई महिला को संक्रमण या प्रसव संबंधी समस्या होती है, तो अक्सर इसे क्रासू का ही कार्य माना जाता है। कभी-कभी तो यह भी माना जाता है कि क्रासू बच्चे को चूसकर तुरंत निगल सकता है।

क्रासू से बचाव कैसे करें या उसे कैसे मारें

इसलिए, क्रासू का आसपास होना सुखद नहीं है, खासकर अगर आप गर्भवती हों। लेकिन, पौराणिक कथाओं और लोककथाओं के कई अन्य रूप बदलने वाले अप्रिय प्राणियों की तरह, इसकी भी कुछ कमजोरियाँ हैं। वास्तव में, दो-चार कमजोरियाँ हैं।

एक है लटकते हुए आंतरिक अंग। जब कोई गर्भवती महिला प्रसव के करीब होती है, तो घर के चारों ओर कांटे, बांस की कीलें और/या नुकीली चीजें रखना एक आम सुरक्षा उपाय है। क्रासू स्वाभाविक रूप से जानते हैं कि उड़ना तो काफी उपयोगी है, लेकिन नीचे लटकते हुए आंतरिक अंगों से खतरा हो सकता है। आंतरिक अंग आसानी से फंस जाते हैं, इसलिए क्रासू किसी भी नुकीली चीज को देखकर घबरा जाते हैं।

अगर आप किसी तरह से भाग्यशाली तरीके से दो-चार वार करके क्रासू के सिर से उसकी आंतें अलग कर दें, तो आप उसे मार सकते हैं। जाहिर है, यह थोड़ा जोखिम भरा तरीका है। अगर आप इस pesky जीव से छुटकारा पाने का थोड़ा सुरक्षित तरीका चाहते हैं, तो इसकी दूसरी कमजोरी पर ध्यान दें: इसका शरीर।

जैसा कि पहले बताया गया है, दिन के समय क्रासू एक सामान्य महिला की तरह दिखती है। लेकिन फिर भी, कुछ ऐसी विशेषताएं होती हैं जिनसे उसकी पहचान हो जाती है। पहली यह कि वह हर समय नींद में दिखती है। दूसरी यह कि उसकी आँखों में किसी का भी प्रतिबिंब नहीं दिखता, और इसलिए लोगों को इस बात का पता न चले, इसलिए क्रासू कभी भी आपकी आँखों में नहीं देखती। एक पुरानी मान्यता यह भी है कि अगर आपने कोई कपड़ा बाहर छोड़ दिया हो और क्रासू ने उस पर अपना मुँह पोंछकर उसे गंदा कर दिया हो, तो कपड़े को उबालने से क्रासू का मुँह जल जाएगा और वह प्रकट होकर कपड़ा खरीदने की पेशकश करेगी। इस स्थिति में, अधिकांश थाई लोग जो भी कीमत दी जाए, उसे खरीद लेते हैं।

लेकिन एक बार जब आप क्रासू को पहचान लेते हैं, तो आप उसका पीछा कर सकते हैं।

जब खाने का समय नजदीक आता है और सिर धड़ से अलग होकर किसी घिनौने भोजन की तलाश में उड़ जाता है, तो शरीर तब तक असुरक्षित रहता है जब तक कि क्रासू अगली सुबह लौटकर उसे फिर से जोड़ नहीं देता। यदि आप क्रासू का पीछा करते हुए सिर विहीन शरीर को ढूंढने में सफल हो जाते हैं, तो आप या तो उसे नष्ट कर सकते हैं, या बस उसे छिपा सकते हैं, और सुबह होते ही क्रासू के पास जुड़ने के लिए कुछ नहीं होगा और परिणामस्वरूप उसकी भयानक मृत्यु हो जाएगी। तो यह एक और खतरा है जिससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका है जलती हुई मशालें, पिचफोर्क और माचेटी लिए हुए ग्रामीण।

हालांकि, कभी-कभी उन्हें अकेला छोड़ दिया जाता है और अंततः उनकी मृत्यु हो जाती है। दुर्भाग्य से, उनकी मृत्यु शांतिपूर्वक या आसानी से नहीं होती। इसलिए जब वे मृत्यु के निकट होते हैं, तो एक क्रासू किसी दूसरी महिला के मुंह में थूक देती है, जिससे वह बेचारी महिला भी क्रासू बन जाती है और मूल क्रासू शांति से मर

जाती है। यदि कोई खुली हुई मुंह वाली महिला उपलब्ध न हो, तो जाहिर तौर पर बिल्ली के मुंह में थूकना भी उतना ही कारगर होता है। मुझे इस बात का कोई उल्लेख नहीं मिला कि बिल्ली का क्या होता है।

एक क्राहंग/काहंग

क्रासुए के साथ घूमते हुए या कम से कम उनके जैसे इलाकों में आते-जाते हुए अक्सर दिखाई देने वाला क्राहंग, उससे कहीं कम प्रभावशाली है। क्राहंग एक पुरुष भूत है जो केवल एक लंगोटी पहने हुए पुरुष का रूप धारण करता है, जो क्रासुए से थोड़ा कम डरावना होता है। क्रासुए के विपरीत, जो चमकती हुई आंतों के साथ भयावह रूप से मंडराता है, क्राहंग दो बड़े क्रादोंग (चावल की टोकरियाँ) का उपयोग करके उड़ता है। या कभी-कभी वे थोड़े अधिक गरिमापूर्ण सक ताम खाओ का उपयोग करते हैं, जो चावल कूटने के लिए एक लंबा लकड़ी का मूसल होता है। क्राहंग की बहुत पुरानी कहानियाँ हैं जिनमें वह पुरुष जैसा दिखता है लेकिन उसके पंख और पक्षी की पूंछ होती है।

क्राहंग्स और क्रासुएस दोनों ही हॉरर से लेकर कॉमेडी तक, दर्जनों फिल्मों और टीवी शो में नज़र आ चुके हैं। जैसा कि आप उनके वर्णन से समझ सकते हैं, क्राहंग्स आमतौर पर कॉमेडी में बाज़ी मार लेते हैं।

पियस प्रेट

बौद्ध धर्म के प्रसार के साथ ही पीआई प्रेट या प्रेत नामक एक प्राणी थाईलैंड में आया। यह शब्द संस्कृत के 'प्रेत' से आया है और आमतौर पर इसका अर्थ "भूखा प्रेत" होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पीआई प्रेट हमेशा भूखा रहता है।

प्रेत एक प्रकार की आत्मा है जो काफी समय से अस्तित्व में है और पूर्व की ओर जाने से पहले भारत में विभिन्न रूपों में पाई जाती थी। ये हिंदू धर्म, ताओवाद और थाईलैंड में बौद्ध धर्म जैसे धर्मों में भी दिखाई देती हैं। आम तौर पर, और विशेष रूप से थाईलैंड में, ये बहुत लंबी, पतली लेकिन फूली हुई तोंद वाली होती हैं, अदृश्य होती हैं और बहुत भूखी होती हैं। थाईलैंड में घूमने वाले कई अन्य भूतों और आत्माओं के विपरीत, ये आमतौर पर हानिरहित होती हैं और पश्चिम के पारंपरिक भूतों की तरह होती हैं, जो नरक में फंसी हुई हैं और बहुत कष्ट भोग रही हैं।

असल में, प्रेत एक अलौकिक प्राणी है जिसे पिछले जन्म में किए गए पापों के लिए दंडित किया जा रहा है। उन्हें अपने किए गए गलत कामों के आधार पर कई तरह की चीजों की लालसा करने का श्राप मिला है। थाईलैंड में, सबसे आम पाप माता-पिता का अनादर करना और भ्रष्टाचार हैं, खासकर मंदिरों से संबंधित। थाईलैंड में सबसे आम भूखें, दुर्भाग्य से पीआई प्रेत के लिए, घिनौनी होती हैं - मवाद, खून और मल जैसी चीजें सबसे घृणित इच्छाओं में शामिल हैं।

थाईलैंड में, प्रेट लोगों का रूप-रंग काफी रोचक होता है। वे बेहद लंबे होते हैं, ताड़ के पेड़ जितने ऊंचे, और उनके हाथ ताड़ के पत्ते जितने बड़े होते हैं। उनकी भूख का कारण यह है कि उनके मुंह सुई के छेद जितने छोटे होते हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें ऊपर बताए गए घिनौने भोजन को पचाने में बहुत कठिनाई होती है। नतीजतन, वे भूख से तड़पते हुए इधर-उधर भटकते रहते हैं, प्रायश्चित करने की कोशिश करते हैं और क्षमा मांगते हैं। अपने छोटे मुंह के कारण वे गूंगे होते हैं, हालांकि वे सीटी बजाते हैं। हालांकि, कुछ प्रेट ऐसे भी हैं जो रात में चीखते हैं, जो काफी चौंकाने वाला है।

पीआई प्रेट का दक्षिणी थाईलैंड में अपना एक विशेष उत्सव होता है।

अच्छा

सभी थाई भूत न तो जानवरों के अंगों को नोचते हैं और न ही बदला लेते हैं। कुछ अच्छे भूत भी हैं जो आध्यात्मिक दुनिया में संतुलन बनाए रखते हैं और थाई लोगों को कभी-कभी चैन की नींद सोने देते हैं।

चलिए, कुछ ऐसी आत्माओं से शुरुआत करते हैं जो तकनीकी रूप से भूत नहीं हैं, बल्कि दयालु आत्माएं हैं जिन्हें वृक्ष बहुत पसंद हैं। इन्हें सामूहिक रूप से नांग माई के नाम से जाना जाता है और इनमें से दो काफी प्रसिद्ध हैं।

मई कब है?

जब ता-कियान

नांग ता-कियान एक भूत/आत्मा/परी है जो ता-कियान वृक्ष (जिसे होपिया ओडोराटा वृक्ष भी कहा जाता है) में निवास करती है। वे आमतौर पर लाल-भूरे रंग के पारंपरिक थाई वस्त्रों में सजी खूबसूरत युवतियों के रूप में दिखाई देती हैं।

ता-कियान का पेड़ बहुत विशाल होता है और इसकी जड़ें भी काफी फैली होती हैं, इसलिए यह आमतौर पर लोगों के घरों के पास नहीं पाया जाता। यह अच्छी बात है क्योंकि नांग ता-कियान एक स्थानीय भूतनी है जो अपने पेड़ के आस-पास के इलाके में ही रहना पसंद करती है। अगर आप ता-कियान का पेड़ काटकर उससे घर का निर्माण करते हैं, तो नांग ता-कियान आपका पीछा करके आपको परेशान कर सकती है और आपकी जिंदगी को दुखमय बना सकती है।

इस प्रेतवाधित क्रोध के कारण, थाईलैंड में ता-कियान वृक्षों का उपयोग लकड़ी के लिए नहीं किया जाता है, केवल एक अपवाद है - मठ। बौद्ध भिक्षु अत्यंत दयालु और पुण्यमय होते हैं, इसलिए उनमें नांग ता-कियान के क्रोध को शांत करने की क्षमता होती है। यदि कोई जोखिम उठाना चाहता है, या अनजान है, तो बौद्ध भिक्षु और स्थानीय लोग वृक्ष के तने के चारों ओर रंगीन साटन के कपड़े लपेट देते हैं, और यदि वृक्ष को काटना अनिवार्य हो, तो एक विशेष समारोह आवश्यक होता है क्योंकि आत्मा की सहमति प्राप्त करना आवश्यक होता है।

सामान्य तौर पर, यदि आप एक अच्छे और सभ्य व्यक्ति हैं, तो आपको नांग ता-कियान से डरने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन वे बुरे लोगों को नुकसान पहुंचाने के लिए जाने जाते हैं जो गलती से उनके बहुत करीब चले जाते हैं।

आप जानते हैं या आप जानते हैं

नांग टाकियान की तरह, तानी भी एक आकर्षक युवती है जो एक पेड़ से जुड़ी आत्मा है। हालांकि, तानी अपने पसंदीदा स्थान - जंगली केले के पेड़ों - से मेल खाने के लिए हरे रंग की पारंपरिक पोशाक पहनना पसंद करती है। अधिकांश समय वे अपने पेड़ में ही छिपी रहती हैं, लेकिन पूर्णिमा की रात को तानी प्रकट होती हैं। हरे कपड़ों के साथ-साथ, उनकी त्वचा भी हरे रंग की बताई जाती है, जो उनके पेड़ से मेल खाती है। हालांकि,

उनके होंठ गहरे लाल रंग के होते हैं और उनके बाल लंबे और खुले काले होते हैं, जो इसे एक अलग रूप देते हैं।

नांग ता-कियान की तरह, उनके पेड़ या आसपास के किसी भी पेड़ को काटना उचित नहीं है। वह उन पेड़ों के चारों ओर रंगीन साटन के टुकड़े भी बांधती हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि उनमें कोई तानी निवास करती है।

पीआई तानी को आमतौर पर दयालु माना जाता है। थाई लोक परंपराओं में ऐसी कहानियां प्रचलित हैं कि वह पुरुषों को, विशेषकर उन पुरुषों को जिन्होंने महिलाओं को नुकसान पहुंचाया है, नुकसान पहुंचा सकती है। यहां तक कि ऐसी कहानियां भी हैं कि वह पूर्णिमा के दौरान पुरुषों को बहला-फुसलाकर उनके साथ यौन संबंध बना सकती है। कुछ अन्य कहानियों के अनुसार, यदि कोई पुरुष पेड़ पर पेशाब करता है, या किसी घृणित कारण से अपना लिंग उस पर रगड़ता है, तो वह इसे छेड़छाड़ समझेगी। हालांकि यह कुछ हताश और विकृत मानसिकता वाले लोगों को दिलचस्प और लुभावना लग सकता है, लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एक बार पीआई तानी के साथ यौन संबंध बनाने के बाद, वह थोड़ी अधिकार जताने वाली हो जाती है। यदि आप इसके बाद किसी अन्य महिला के साथ यौन संबंध बनाते हैं, तो वह आपको मार डालेगी।

लेकिन अगर आप पेड़ों पर अपना गुप्तांग रगड़ने से बचते हैं और आम तौर पर एक सभ्य व्यक्ति हैं, तो नांग तानी काफी अच्छे होते हैं। यहाँ तक कि ऐसी कहानियाँ भी हैं कि तानी राहगीर भिक्षुओं को भोजन देते हैं।

नांग ता-कियान और नांग तानी को सामूहिक रूप से नांग माई के नाम से जाना जाता है और ये थाई संस्कृति में बहुत लोकप्रिय हैं। यदि आप थाईलैंड और पड़ोसी देशों में किसी पेड़ के चारों ओर रंगीन कपड़े और चढ़ावे बंधे हुए देखें, तो सम्मानपूर्वक व्यवहार करें।

जब क्राक

पिछले दो देवताओं की तरह, नांग क्राक भी भूत नहीं बल्कि एक आत्मा है। हालांकि, वह अच्छी आत्माओं में से एक मानी जाती है और सौभाग्य लाने वाली मानी जाती है - आमतौर पर सचमुच, धन के रूप में। नांग क्राक की मूर्ति थाई घरों में अक्सर देखने को मिलती है और लगभग सभी थाई दुकानों में निश्चित रूप से पाई जाती है क्योंकि वह व्यापारियों और विक्रेताओं की संरक्षक देवी हैं, जिन्हें ग्राहकों को आकर्षित करने और किसी भी व्यवसाय में समृद्धि लाने का श्रेय दिया जाता है।

वह आम तौर पर थाई पारंपरिक वस्त्र पहने रहती हैं, लेकिन इस बार उनका रंग लाल है। (हालांकि हमेशा ऐसा नहीं होता।) नांग क्राक को आमतौर पर सोने का मुकुट पहने हुए और बैठी या घुटनों के बल बैठी हुई दिखाया जाता है। उनका दाहिना हाथ उठा हुआ है, लेकिन हथेली अंदर की ओर और हाथ नीचे की ओर है, जो किसी को बुलाने का थाई तरीका है, इस मामले में, एक ग्राहक को - इसी तरह थाई लोग टैक्सी भी बुलाते हैं। उनका बायां हाथ आमतौर पर उनके बगल में होता है या, थोड़े कम स्पष्ट चित्रण में, सोने की थैली पकड़े हुए होता है।

हालांकि उन्हें एक प्रकार की घरेलू देवी के रूप में देखा जाता है, लेकिन वे इससे कहीं अधिक हैं। उनकी प्रतिमा-रचना थाई चावल की देवी फोसोप से मिलती-जुलती है, जिनकी वे अवतार प्रतीत होती हैं। हालांकि, मामला इससे कहीं अधिक जटिल है क्योंकि उनकी प्रतिमा-रचना वास्तव में हिंदू देवी श्री लक्ष्मी पर आधारित है - जो धन, सौभाग्य और समृद्धि की देवी भी हैं।

संक्षेप में कहें तो, नांग क्राक शुभ हैं और इनसे आपको धन प्राप्ति होगी। आप उनकी छवि किसी दुकान या मंदिर में लगे पोस्टर या कपड़े पर देख सकते हैं, या यदि व्यापारी अक्सर यात्रा करता है, तो उन्हें ताबीज के रूप में साथ रखा जा सकता है।

फॉसॉप

मैं यहाँ भूत-प्रेतों और राक्षसों की बात नहीं कर रहा हूँ, लेकिन फोसोप का संबंध नांग क्राक से है, इसलिए उनका ज़िक्र करना ज़रूरी है। फोसोप चावल की देवी हैं और उनका संबंध किसी विशेष धर्म से नहीं बल्कि प्राचीन थाई लोककथाओं से है। चावल थाईलैंड का प्रमुख निर्यात और मुख्य भोजन है, इसलिए देश में उनका बहुत महत्व है।

वह अब उतनी लोकप्रिय नहीं हैं जितनी पहले थीं, लेकिन 2008 में, रानी सिरिकिट ने फोसोप से प्रार्थना करने और उन्हें भेंट चढ़ाने की प्रथा को स्वीकार किया, इसलिए वह अभी भी मौजूद हैं।

पम्पुआंग दुआंगजान

पंपुआंग दुआंगजान (जिन्हें फुम फुआंग भी लिखा जाता है) अपनी मृत्यु के समय थाईलैंड की सबसे लोकप्रिय गायिका थीं। उनकी कहानी दुखद होने के साथ-साथ प्रेरणादायक भी है। उनका जन्म घोर गरीबी में हुआ था और वे केवल दो साल ही स्कूल की पढ़ाई पूरी कर पाईं, जिसके बाद उन्हें अपने परिवार के साथ खेतों में काम करना पड़ा। निरक्षर होने के बावजूद, पंपुआंग गीतों के बोल याद कर लेती थीं और छोटी उम्र से ही स्थानीय गायन प्रतियोगिताओं में भाग लेती थीं। 15 वर्ष की आयु में उनकी प्रतिभा को पहचाना गया और वे एक सुपरस्टार बन गईं।

पम्पुआंग ने पारंपरिक संगीत (प्लेंग लुक थुंग) और इलेक्ट्रॉनिक डांस संगीत के मिश्रण की शुरुआत की, जिसे इलेक्ट्रॉनिक लुक थुंग के नाम से जाना जाने लगा। उनके गीतों और जीवन ने थाईलैंड के ग्रामीण इलाकों के कई युवाओं को प्रेरित किया, क्योंकि उन्होंने ग्रामीण जीवन के बारे में गाया और शहर जाकर सफल होने का सपना देखने वालों को उम्मीद दी। दुख की बात है कि 1992 में 30 वर्ष की आयु में ल्यूपस से संबंधित जटिलताओं के कारण उनका निधन हो गया।

उनके गृह नगर सुपनबुरी में उनके नाम पर एक मंदिर बनाया गया, क्योंकि कहा जाता है कि वहां उनकी आत्मा देखी गई थी। अब उनके हजारों प्रशंसक और भक्त उस मंदिर में दर्शन करने आते हैं, क्योंकि उन्हें एक तरह से सौभाग्य और आशा की देवी के रूप में पूजा जाने लगा है। इसका सीधा संबंध लॉटरी के अंकों से है। जब लॉटरी का ड्रॉ नजदीक आता है, तो उनका मंदिर आशा से भरे लोगों से भर जाता है जो जीवन में कुछ अच्छा बदलाव लाने के लिए प्रार्थना करते हैं। और क्यों नहीं?

बुरा

मेरे पास है

जो भी लोग स्लीप पैरालिसिस से परिचित हैं, वे इसके तौर-तरीकों से भी वाकिफ होंगे। स्लीप पैरालिसिस से पीड़ित लोगों की एक दुर्भाग्यपूर्ण आदत होती है कि वे जागने पर हिल-डुल नहीं पाते। अक्सर उन्हें ऐसा महसूस होता है जैसे वे बंधे हुए हैं या उनकी छाती पर कोई भारी चीज़ रखी है। मान्यताओं के आधार पर, अक्सर अलग-अलग आकृतियाँ दिखाई देती हैं। पश्चिमी संस्कृतियों में मध्ययुग में, लोग जागने पर खुद को चुड़ैलों से घिरा हुआ पाते थे और हिल-डुल नहीं पाते थे। उस समय एक और प्रचलित धारणा यह थी कि जागने पर कोई राक्षस उनकी छाती पर बैठा हुआ पाया जाता था (जैसे कि हेनरी फ्यूसेली की प्रसिद्ध पेंटिंग 'द नाइटमेयर', 1781)। आधुनिक समय में अक्सर एलियंस दिखाई देते हैं (अक्सर जांच-पड़ताल करने के शौकीन)।

थाईलैंड में, इसका दोषी एक पी आम है, जो आपकी छाती या जिगर पर बैठ जाता है और आपको तब तक लकवाग्रस्त कर देता है जब तक कि वह ऊबकर चला न जाए। आमतौर पर स्त्री के रूप में चित्रित पी आम के बारे में कहा जाता है कि वह केवल पुरुषों पर हमला करती है। कुछ थाई लोगों का कहना है कि अगर कोई पुरुष सोने से पहले लिपस्टिक लगा ले तो भूत के लिंगभेद को टाला जा सकता है या उसे चकमा दिया जा सकता है - हालांकि उनकी भोलापन पर बहस होती है और यह स्पष्ट नहीं है कि दाढ़ी वाले लोगों पर यह कारगर होता है या नहीं।

कुमान थोंग और हांग फ्राई

आजकल कुमान थोंग को एक घरेलू देवता के रूप में पूजा जाता है, जिसे सौभाग्य लाने वाला माना जाता है। आपको कभी-कभी मंदिरों में कुमान थोंग की मूर्ति देखने को मिल जाएगी। कुमान का शाब्दिक अर्थ है 'पवित्र बालक' जबकि थोंग का अर्थ है 'सुनहरा'। सुनने में यह उतना बुरा नहीं लगता, लेकिन इसमें इसके कहीं अधिक भयावह और परेशान करने वाले मूल की झलक मिलती है। चेतावनी: यह जानकारी अप्रिय है।

कुमान थोंग काला जादू, विशेष रूप से प्रेत विद्या का परिणाम है। प्राचीन थाई पांडुलिपियों में वर्णित है कि काला जादू करने वाले लोग गर्भ प्राप्त करते थे, जो अक्सर अजन्मा होता था और जिसे माँ के गर्भ से शल्य चिकित्सा द्वारा निकाला जाता था। फिर उसे एक विशेष अनुष्ठान के लिए कब्रिस्तान ले जाया जाता था। इस अनुष्ठान में शरीर को तब तक भूना जाता था जब तक वह सूख न जाए, इस दौरान प्रेत विद्या करने वाला मंत्रों का उच्चारण करता था। इसके बाद शरीर, जिसे कुमान कहा जाता था, पर लाह से रंगा जाता था और उसे सोने की पत्ती में लपेटा जाता था। इसीलिए इसे 'पवित्र स्वर्णमय बालक' कहा जाता है।

इस भयानक कृत्य के पूरा होने के बाद, काला जादू करने वाला व्यक्ति उन शिशुओं को अपने बच्चों की तरह गोद ले लेता है और उन्हें भोजन और खिलौने देकर खुश रखता है। बदले में, कुमान थोंग उनकी मदद करता

है और आमतौर पर उनके आदेशों का पालन करता है। कहानियों में कहा गया है कि आत्माओं को खुश न रखने पर भूत-प्रेत जैसी सजा भुगतनी पड़ती है।
आत्मा बालक के स्त्री रूप को हांग फ्राई के नाम से जाना जाता है, हालांकि यह नाम उतना प्रसिद्ध नहीं है।

हाल ही में बनी कुमान थोंग और लुक थेप गुड़िया

हालांकि इन प्रथाओं को आम तौर पर इतिहास का हिस्सा मान लिया गया है, लेकिन वे पूरी तरह से विलुप्त नहीं हुई हैं।
2012 में, ताइवान मूल के एक ब्रिटिश व्यक्ति को बैंकॉक में छह भ्रूणों के साथ गिरफ्तार किया गया था, जिन्हें भूनकर सोने में लपेटा गया था। वह व्यक्ति एक व्यवसायी था और कथित तौर पर उन्हें ताइवान में 6,300 अमेरिकी डॉलर प्रति भ्रूण के हिसाब से बेचने की योजना बना रहा था।
उससे एक साल पहले, लाओस में एक व्यक्ति को अपनी गर्भवती पत्नी की हत्या करने के आरोप में दोषी ठहराया गया था, ताकि वह 'लुक लॉर्ड' नामक एक स्थानीय संस्करण बना सके।
थाईलैंड से परिचित लोग शायद कुछ साल पहले (लगभग 2015 के आसपास) शुरू हुए लुक थेप गुड़ियों के एक परेशान करने वाले चलन से वाकिफ होंगे। इसका अर्थ है 'बाल देवता/देवदूत' और यह मूल रूप से कुमान थोंग का एक आधुनिक, भ्रूण रहित संस्करण है। ये गुड़ियां अक्सर काफी सजीव लगती हैं और इनका आकार शिशु या छोटे बच्चे जितना होता है। ऐसा माना जाता है कि किसी बच्चे की आत्मा को इस कारखाने में बनी गुड़िया में प्रवेश करने के लिए आमंत्रित किया जाता है और फिर उसकी देखभाल की जाती है और उसे लाड़-प्यार दिया जाता है, जिसके बदले में सौभाग्य, सफलता और समृद्धि की कामना की जाती है।
इस चलन को कम से कम आंशिक रूप से मे निंग नामक एक स्थानीय रेडियो डीजे ने बढ़ावा दिया, जिसने रेडियो पर दावा किया कि इन गुड़ियों में विशेष शक्तियां हैं। इसके तुरंत बाद, बौद्ध भिक्षुओं और ज्योतिषियों द्वारा 'भाग्यशाली' आत्माओं को गुड़ियों में प्रवेश कराने के लिए समारोह आयोजित किए जाने लगे। संयोग से, मे निंग इन गुड़ियों को बेचती भी थी। थाई हस्तियों ने भी इस रहस्यमयी चलन को अपना लिया और जल्द ही लोग अपनी लुक थेप गुड़ियों को रेस्तरां में ले जाने लगे और यहां तक कि विमानों में उनके लिए सीटें भी बुक करने लगे।
एक मान्यता यह भी है कि लुक थेप, थाईलैंड में प्रचलित जीववाद, आत्मा पूजा और वस्तु पूजा का एक और उदाहरण मात्र है। चाहे जो भी हो, यह उन विचित्र चीजों में से एक है जो किसी पर्यटक को इस देश में देखने को मिल सकती हैं।

कोंग की बढ़ती मांग

कुमान थोंग के भयानक अनुभव के बाद, चलिए कुछ चंचल और खुशनुमा चीज़ देखते हैं। कोंग कोई (या गोंग गोई) एक बच्चे के आकार का, एक पैर वाला भूत है जिसका घुटना पीछे की ओर मुड़ता है। यह अपने परलोक में इधर-उधर कूदता रहता है और बार-बार 'कोंग कोई! कोंग कोई!' कहता रहता है।

इसका वर्णन बड़ी-बड़ी आँखों, लाल बालों और एक लंबे मुँह वाले जीव के रूप में किया गया है जो एक बड़ी पाइप जैसा दिखता है। इसका भोजन थाई भूतों की तरह उतना अप्रिय नहीं है, लेकिन फिर भी यह इतना खतरनाक नहीं है क्योंकि यह ग्रामीण इलाकों में कैंपिंग कर रहे लोगों के पैरों की उंगलियों के बीच से खून चूसना पसंद करता है। सौभाग्य से, कोंग कोई थोड़े मोटे होते हैं और मोज़े पहनकर, स्लीपिंग बैग का इस्तेमाल करके या फिर किसी कारणवश पैर क्रॉस करके इन्हें आसानी से हराया जा सकता है।
मैंने कुछ सिद्धांत पढ़े हैं जिनमें कहा गया है कि पैरों की उंगलियों से खून चूसा जाना शायद पिशाच चमगादड़ों का नतीजा हो सकता है। कौन कह सकता है कि इनमें से कौन सा सिद्धांत ज़्यादा सही है? वैसे भी, आपको बस अच्छे कैंपिंग उपकरण की ज़रूरत है।

पीआई पॉप

पी पॉप एक शक्तिशाली और दुष्ट आत्मा है जो मुख्य रूप से पूर्वोत्तर थाईलैंड (इस्सैन) और लाओस में पाई जाती है। इसके उद्भव के बारे में जानकारी अस्पष्ट है, लेकिन यह जादू-टोने का परिणाम है।
पीआई पॉप्स काफी प्रसिद्ध हैं और अन्य आत्माओं की तरह, विशेष रूप से पीआई क्रासु और क्राहांग, कई हॉरर और कॉमेडी फिल्मों के साथ-साथ टीवी धारावाहिकों और थाई कॉमिक्स का विषय रहे हैं।
क्रासू और क्राहंग की तरह ही, पॉप को भी कच्चा मांस और उसके स्वादिष्ट आंतरिक अंग खाने की तीव्र इच्छा होती है। अन्य पॉपों से अलग, पॉप लोगों को अपने वश में करना पसंद करता है और सफल होने पर, धीरे-धीरे अपने शिकार की आंतें खा जाता है। जिन लोगों पर पॉप का साया माना जाता है, उन्हें झाड़-फूंक से बचाया जा सकता है। एक उपचारक नर्तक या आत्मा चिकित्सक को बुलाया जाता है, जो पीड़ित व्यक्ति के सामने घूमता हुआ नृत्य करता है। इस नृत्य से पॉप बाहर आ जाता है और फिर उसे शरीर से भगाया जा सकता है।
पीआई पॉप्स में विश्वास आज भी प्रचलित है। 2017 में, पूर्वोत्तर थाईलैंड के कलासिन प्रांत के ग्रामीणों ने कुछ ग्रामीणों और जानवरों की अचानक और रहस्यमय मौत के बाद पीआई पॉप्स की उपस्थिति पर विश्वास कर लिया था। सैकड़ों स्थानीय निवासियों ने मिलकर झाड़-फूंक के लिए लगभग 35,000 बाट का भुगतान किया। और 2012 में, लाओस के पाकसे में, एक पॉप को दस पुरुषों की अचानक मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था।

पीआई ताई हांग

थाई भूतों में सबसे अधिक भयभीत करने वाले भूतों में से एक है पीआई ताई होंग। ये उन लोगों के भूत हैं जिन्हें मृत्यु की तैयारी करने या उसकी आशंका करने का समय नहीं मिला, इसलिए इनमें वे लोग शामिल नहीं हैं जो, उदाहरण के लिए, बीमारी से मरे, आत्महत्या की या जिन्हें फांसी दी गई। वास्तव में, मृत्यु के लिए तैयार होने के बिल्कुल विपरीत, पीआई ताई होंग उन लोगों के भूत हैं जिनकी मृत्यु अचानक हुई, आमतौर पर हिंसा या हत्या के कारण। थाई रॉयल इंस्टीट्यूट डिक्शनरी के अनुसार, ताई होंग का अर्थ है "अस्वाभाविक और हिंसक मृत्यु"। परिणामस्वरूप, ये भूत बहुत क्रोधित और अत्यंत दुष्ट होते हैं। एक पीआई ताई हा भी होता है,

लेकिन दोनों के बीच का अंतर स्पष्ट नहीं है और ऐसा लगता है कि ये वे लोग हैं जो हैजा जैसी किसी बीमारी से जल्दी मर जाते हैं। पीआई ताई होंग की तुलना में ये बहुत कम पाए जाते हैं।

अपने सपनों, महत्वाकांक्षाओं और इच्छाओं को पूरा करने का अवसर खो देने के कारण, पीआई ताई होंग आत्माएं क्रोध और पश्चाताप से भरी हुई हैं। उनकी मृत्यु के स्थान से दूर रहना अत्यंत आवश्यक है, विशेष रूप से पहले सात दिनों तक, क्योंकि इस दौरान आत्माएं सक्रिय रूप से प्रतिशोध की तलाश में रहती हैं और अक्सर जीवित लोगों को उसी तरह मारने का प्रयास करती हैं जिस तरह उन्हें मारा गया था। वे थाईलैंड की सबसे खूंखार आत्माओं में से एक हैं।

उनका इतना खौफ होने का एक और कारण यह है कि उन्हें भगाना बेहद मुश्किल होता है और उन्हें बाहर निकालने के लिए जटिल से लेकर रहस्यमय अनुष्ठानों की आवश्यकता होती है।

पीआई ताई होंग का एक रूप जो सबसे खराब है, उसे ताई थांग (या थोंग) क्लोम कहा जाता है।

ताई थांग/थोंग क्लोम

ताई होंग के सभी भूतों में यह सबसे हिंसक और क्रोधित होता है। ये उन गर्भवती महिलाओं के भूत होते हैं जिनकी मृत्यु गर्भ में शिशु को लिए हुए हुई थी। इसके परिणामस्वरूप दो उग्र आत्माएं उत्पन्न होती हैं और ये विशेष रूप से हिंसक हो सकती हैं।

इन शक्तिशाली आत्माओं का लंबा इतिहास है और जाहिर है, इनसे हर कीमत पर बचना चाहिए। हालांकि, 17 वीं शताब्दी में, डच ईस्ट इंडिया कंपनी के एक निदेशक, जेरेमियास वैन व्लिएट ने लिखा कि अयुथया की पुरानी राजधानी में गर्भवती महिलाओं को किलेबंदी के नीचे जिंदा दफनाकर बलि देने की प्रथा थी। उस समय थाई लोगों का मानना था कि इससे क्रोधित भूतों के बजाय दयालु और रक्षक आत्माएं उत्पन्न होंगी।

आधुनिक संस्करण

थाईलैंड में आज भी पी ताई होंग का भय व्याप्त है और आधुनिक संस्कृति में इनकी व्यापक भूमिका है। डरावनी फिल्में काफी लोकप्रिय हैं - आखिर ये भूतिया घर की कहानियों में दिखने वाले क्रोधित भूत का ही प्रतीक हैं। पी ताई होंग अक्सर कामुक फिल्मों की कहानी का आधार भी बनते हैं, जिनमें नायक किसी आकर्षक महिला के साथ मौज-मस्ती भरी रात बिताता है, लेकिन बाद में पता चलता है कि वह महिला तो भूत ही थी।

Pii Phrai

यह दो प्रकार के भूतों में से एक हो सकता है। एक ऐसी दुर्भाग्यशाली महिला का भूत जो गर्भ में शिशु को लिए मर गई हो। वह महिला भूत बन सकती है, जैसे कि पी थाई होंग, लेकिन इस मामले में, उनके शरीर का उपयोग काले जादू के जानकारों द्वारा पी थाई होंग लोशन, यानी भूत के सार को निकालने के लिए किया जाता है, जिसका उपयोग वे कुटिल जादुई कृत्यों के लिए करते हैं। फ्राइ और थाई होंग में क्या अंतर है, यह स्पष्ट नहीं है; ऐसा लगता है कि यह मृत्यु के तरीके में अंतर है।

पी फ्राई का दूसरा रूप काफी अलग है। यह एक ऐसी आत्मा या सत्ता है जो पानी के पास रहती है, जहाँ डूबने की घटनाएं अक्सर होती हैं। ये अक्सर विलो-द-विस्प का रूप धारण कर लेती हैं और पश्चिमी सभ्यता की क्लासिकल तांत्रिक शक्तियों जैसे अंडाइन, सायरन और यहाँ तक कि मरमेड से मिलती-जुलती हैं। कुछ कहानियों में, ये पुरुषों को न केवल जलमग्न अवस्था में ले जाती हैं, बल्कि उनके मृत शरीर पर भी कब्ज़ा कर सकती हैं।

बदसूरत

थाईलैंड के बाहरी इलाकों में मंडराने वाले कुछ भूत काफी अप्रिय हो सकते हैं। मेरा मतलब यह नहीं है कि वे बुरे तरीके से व्यवहार करते हैं, ये सभी हानिरहित हैं, बस दुर्भाग्य से, वे घिनौने हैं।

पीआई फोंग / पोंग

पीआई पोंग नाम का भूत सचमुच बहुत बदबूदार होता है। दिन में यह भूत एक सामान्य व्यक्ति जैसा दिखता है, लेकिन रात में इससे दुर्गंध आने लगती है और थाई भूतों की तरह, इसे भी घिनौने खाद्य पदार्थों की भूख सताने लगती है, जैसे कि नाल और गोबर। लेकिन इसे मछली भी बहुत पसंद है और यह विशेष रूप से मेंढकों के प्रति अपने प्रेम के लिए जाना जाता है।

रात में एक पीआई पोंग अपने अप्रिय भोजन की तलाश में ग्रामीण इलाकों में घूमता रहता है, बदबू फैलाता है और हल्का सा चमकता है। वैसे तो यह इंसानों के लिए काफी हानिरहित होता है और इससे खास डरने की जरूरत नहीं है। आप पीआई पोंग को सिर्फ यह कहकर मार सकते हैं कि वह एक पीआई पोंग है। इससे भी ज्यादा खतरनाक बात यह है कि अगर आप इसकी लार पी लें तो आप खुद पीआई पोंग बन सकते हैं। इसलिए ऐसा करने की कोशिश न करें।

पीआई हांग नाम या पीआई की

यह एक अजीब भूत है। "होंग नाम" का शाब्दिक अर्थ है पानी (नाम) कमरा (होंग), और थाई लोग इसे बाथरूम या शौचालय कहते हैं। पीआई होंग नाम का एक और बचकाना नाम है - पीआई की। "की" का थाई भाषा में अर्थ है मल। यह आपके शौचालय में मंडराता है। भले ही इसका ठिकाना थोड़ा अटपटा हो, लेकिन यह एक अच्छा भूत है जो अगर आप विनम्रता से प्रार्थना करें, तो आपके मल से आपकी बुरी किस्मत को निकाल देगा। यह बुरे सपने आने पर भी आपकी मदद करता है, किसी तरह आपके मल से उन बुरे सपनों को दूर कर देता है। थाईलैंड आने वाले नए पर्यटक शौचालय में काफी समय बिता सकते हैं, इसलिए शौचालय के साथ अच्छा व्यवहार करें।

पीआई लैंग क्लुआंग

पी लांग क्लुआंग एक दोस्ताना भूत है, जो दुर्भाग्य से थोड़ा घिनौना होता है। ये आम तौर पर दक्षिणी थाईलैंड में पाए जाते हैं और इन्हें समुद्र तट पर पार्टी करना बहुत पसंद होता है। रात में, जब कोई समूह थाईलैंड के खूबसूरत समुद्र तटों में से किसी एक पर आग के चारों ओर इकट्ठा होता है या रात में मछली पकड़ रहा होता है, तो अचानक कहीं से एक अजनबी प्रकट होकर उनके साथ शामिल हो जाता है। ये पूरी तरह से हानिरहित होते हैं और कभी-कभी मज़ाक में किसी से अपनी पीठ खुजलाने के लिए कह सकते हैं। तभी इनका असली रूप सामने आता है, क्योंकि इनकी पीठ में एक बड़ा सा छेद होता है जिससे न केवल इनकी आंतें दिखाई देती हैं, बल्कि वह छेद कीड़े, लार्वा और कनखजूरे से भरा होता है। इनका हास्यबोध वाकई अनोखा होता है।

पशु आत्माएं और यादृच्छिक सत्ताएं

सभी भूत मानव रूप धारण नहीं करते (या कम से कम मानव रूप के कुछ हिस्से)। कई पशु आत्माएं भी होती हैं और कभी-कभी कोई ऐसी आत्मा भी मिल जाती है जो दोनों रूपों के बीच बदलती रहती है।

सुआ समिंग

यह एक ऐसी आत्मा है जो आमतौर पर एक खूबसूरत महिला होती है (थाईलैंड की लगभग सभी महिला आत्माएं और भूत आकर्षक प्रतीत होते हैं) और बाघ में रूप बदल सकती है। हालांकि, कुछ स्थानों पर, बाघ महिला में रूप बदल सकता है। सच कहें तो, इस विशेष आत्मा से जुड़ी किंवदंतियां अस्पष्ट हैं, लेकिन उन सभी में मानव/बाघ रूपांतरण का जिक्र है। थाईलैंड और लाओस के कुछ दूरदराज के इलाकों में, ऐसा माना जाता है कि बाघों का शिकार करने वाले अंततः बाघों में परिवर्तित हो जाते हैं, जो उनके द्वारा मारे गए सभी बाघों की आत्माओं द्वारा उत्पन्न कर्मफल का एक प्रकार है।

सुआ समिंग का एक विपरीत रूप यह है कि एक बूढ़ा बाघ मनुष्यों को खाकर शक्ति प्राप्त करता है। फिर वह स्वयं को मनुष्य में परिवर्तित कर सकता है। वे आमतौर पर तीन रूप धारण करना पसंद करते हैं, संभवतः अपने शिकार के अनुसार - एक भिक्षु, एक बच्चा, या अनुमानतः, एक आकर्षक कम कपड़ों वाली महिला। जब शिकार करीब आता है, तो वे वापस बाघ में परिवर्तित हो जाते हैं और उस पर झपट पड़ते हैं।

पीआई पोंग कांग

पीआई पोंग कांग, कोंग कोई से काफी मिलता-जुलता है क्योंकि यह थाईलैंड के जंगलों में कैंपिंग करते समय आपके पैर की उंगलियों से खून चूसना पसंद करता है। इनमें दो मुख्य अंतर हैं। कोंग कोई एक प्यारा सा, एक पैर पर उछलने वाला इंसान जैसा जीव है, जबकि पोंग कांग एक काला बंदर है - इसलिए यह थोड़ा ज्यादा आकर्षक है। साथ ही, पोंग कांग को पैर की बड़ी उंगलियां विशेष रूप से पसंद हैं। ये दोनों भूतों से ज्यादा आत्माएं या राक्षस हैं और दोनों को पैरों को ढककर हराया जा सकता है। यह भी दावा किया जाता है कि पैरों को आपस में सटाकर सोने से भी पोंग कांग को दूर रखा जा सकता है। कुछ कहानियों के अनुसार, इन्हें नमक चाटने वाली जगहों के आसपास रहना पसंद होता है।

अन्य प्रेत आत्मा प्राणी

पांच गायें (या पांच गायें)

यह एक जादुई बैल या भैंस है जिसे काले जादू से नियंत्रित किया जाता है। इसका उपयोग रक्षा या आक्रमण के लिए किया जा सकता है, यह नियंत्रक पर निर्भर करता है। इसे केवल अधिक शक्तिशाली काले जादू से ही नष्ट या पराजित किया जा सकता है।

पिई न्गु (जिसे फ्राई न्गु या न्गुएक न्गु के नाम से भी जाना जाता है)

न्गु थाई भाषा में सांप को कहते हैं और जैसा कि कई बार बताया जा चुका है, पीआई एक भूत होता है। जैसा कि आपने अनुमान लगाया होगा, यह सांप से संबंधित आत्मा है। सुआ समिंग की तरह, इसके नियम थोड़े

अस्पष्ट लगते हैं। कभी-कभी पीआई न्गु एक सांप होता है, कभी-कभी मनुष्य और कभी-कभी दोनों का मिश्रण।

पीआई प्लुआक

ये दीमकों की आत्माएं या भूत हैं। यह शायद बेतुका लगे, और आजकल यह उतना आम भी नहीं है, लेकिन पारंपरिक थाई घर लकड़ी के बने होते हैं। इसलिए दीमकों का सम्मान करना जरूरी है।

Pii Thale

थाले थाई भाषा में समुद्र को कहते हैं। तो इसका शाब्दिक अर्थ है समुद्र का भूत। वैसे तो यह सचमुच में भूत नहीं है, बल्कि यह अक्सर कई रूपों में प्रकट होता है, जैसे सेंट एल्मो की आग और अन्य कई ऐसी घटनाएं जिनके बारे में नाविक रम की कुछ बोतलें पीने के बाद बातें करते हैं।

कुछ भूतिया जगहें...

कुछ भूतिया स्थान और एक अनोखी घटना।

Suvarnabhumi Airport

अगर आप थाईलैंड में किसी भूतिया जगह पर जाना चाहते हैं, तो बस सुवर्णभूमि के मुख्य हवाई अड्डे पर उतर जाइए। यह हवाई अड्डा पूर्वी बैंकॉक के बाहरी इलाके में स्थित है और इसे 'कोबरा दलदल' के नाम से मशहूर खूबसूरत दलदली ज़मीन पर बनाया गया है। इसका उद्घाटन 2006 में हुआ था। इसे बनाते समय यह बात पता नहीं थी कि इसका एक हिस्सा एक प्राचीन कब्रिस्तान पर बना है। जैसा कि प्राचीन कब्रिस्तान पर निर्माण करने वाले हर व्यक्ति को पता होगा, यह एक बुरा विचार होता है। इस बात को साबित करने के लिए हज़ारों फ़िल्में और किताबें मौजूद हैं।

निर्माण के दौरान कई अजीबोगरीब घटनाएं सामने आईं और हालात इतने बिगड़ गए कि कुछ मजदूरों ने काम बंद कर दिया। कई जानलेवा दुर्घटनाएं भी हुईं और बहुत से लोगों ने डरावनी आवाज़ें सुनने का दावा किया, जैसे कि भयानक रोना-धोना, कराहना और मंत्रोच्चार। जब हवाई अड्डा लगभग बनकर तैयार था, तब ऐसी कहानियां प्रचलित हुईं कि वहां पू मिंग नाम के नीले चेहरे वाले एक बूढ़े व्यक्ति का भूत रहता है। अन्य मजदूरों ने कदमों की आहट और पारंपरिक थाई संगीत सुना, लेकिन इन सबका कोई स्पष्ट स्रोत नहीं था।

बहुत हो गया था, और हवाई अड्डे के खुलने के समय, अधिकारियों ने नाराज़ आत्माओं को शांत करने के लिए एक भव्य समारोह के तहत 99 थाई बौद्ध भिक्षुओं को उस स्थान पर बुलाया। भिक्षुओं ने नौ सप्ताह तक लगातार प्रार्थना और मंत्रोच्चार किया। जैसे ही वे अपना काम समाप्त कर रहे थे, भीड़ में से एक युवा सामान संचालक निकला और दावा किया कि वह पू मिंग है। उस प्रेतग्रस्त व्यक्ति ने कहा कि वह कब्रिस्तान का रक्षक है और उसे शुद्धिकरण की आवश्यकता है। भिक्षुओं ने सहर्ष उसकी इच्छा पूरी की और उसे पवित्र जल से आशीर्वाद दिया, आत्मा को भगाने के लिए कुछ प्रार्थनाएँ कीं, और वह व्यक्ति पहले जैसा हो गया।

ऐसा लगता है कि आशीर्वाद से भूत पूरी तरह शांत नहीं हुआ, क्योंकि पू मिंग के दर्शन की कहानियां आज भी प्रचलित हैं। लोगों ने एक नीले रंग से चमकते हुए बूढ़े प्रेत को छड़ी लेकर चलते हुए देखने की बात कही है। कभी-कभी वह लोगों से कमजोर और धीमी आवाज में बात भी करता है और फिर गायब हो जाता है।

पू मिंग हवाई अड्डे और आसपास के इलाके में अकेली नहीं है। एक बच्चे के साथ एक पीली पड़ी महिला की कई कहानियां प्रचलित हैं, जिसके कारण कई कार दुर्घटनाएं हुई हैं। एक बार, एक सुरक्षा गार्ड समाधि की अवस्था में चला गया और उसने एक मंदिर बनाने की मांग की। हवाई अड्डे के कुछ हिस्सों में भूत-प्रेतों के घूमने की भी खबरें हैं और निर्माण के दौरान सुनाई देने वाले भूतिया कदमों की आहट और पारंपरिक संगीत आज भी कभी-कभी सुनाई देते हैं।

इरावन श्राइन और रत्वाप्रासॉन्ग इंटरसेक्शन

रत्वप्रसोंग चौराहा बैंकॉक के केंद्र में स्थित एक प्रमुख जंक्शन है, जो अब आलीशान शॉपिंग मॉल और होटलों से घिरा हुआ है। लेकिन यह कभी राजकुमार चुदाधुज धरदिलोक का शाही महल हुआ करता था। अब यह माना जाता है कि इस पर श्राप लगा हुआ है और इसी कारण आत्माओं को प्रसन्न रखने के लिए यहाँ आठ हिंदू मंदिर स्थापित किए गए हैं। इनमें से सबसे प्रसिद्ध एरावन मंदिर है।

एरावन मंदिर

थोड़ी पृष्ठभूमि जानना ज़रूरी है। 1950 के दशक में सरकारी स्वामित्व वाले आलीशान एरावन होटल के निर्माण में कई समस्याएँ आईं, जिनका कारण नींव रखने की गलत तारीख थी। (थाईलैंड में शुभ तिथियाँ विवाह, घर खरीदने और बनाने जैसे कई अवसरों के लिए महत्वपूर्ण होती हैं।) कई मज़दूर घायल हुए, लागत में भारी वृद्धि हुई और महंगे इतालवी संगमरमर की एक खेप का नुकसान हुआ। इस समस्या को सुलझाने के लिए, एक प्रसिद्ध ज्योतिषी ने कहा कि मंदिर का निर्माण करके इस स्थिति और बुरे कर्मों को दूर किया जा सकता है। 1956 में मंदिर का निर्माण पूरा हुआ और इसके केंद्र में हिंदू सृजन देवता ब्रह्मा के थाई संस्करण, फ्रा फोम की प्रतिमा स्थापित की गई। होटल का निर्माण बिना किसी और समस्या के पूरा हुआ, लेकिन 1987 में यह ध्वस्त हो गया।

ऐसा माना जाता है कि वहां की आत्माएं अब भी थोड़ी नाराज़ हैं, और इसी वजह से वहां कई बुरी घटनाएं घटित होती रहती हैं। 2006 में, मानसिक रूप से विक्षिप्त एक व्यक्ति ने मूर्ति पर हथौड़े से हमला किया और राहगीरों ने उसे पीट-पीटकर मार डाला। 2015 में मंदिर में बम विस्फोट हुआ, जिसमें 20 लोग मारे गए और 125 घायल हुए। 2016 में, एक राहगीर को दिल का दौरा पड़ा और उसने गाड़ी को भीड़ में घुसा दिया, जिससे आधा दर्जन लोग घायल हो गए।

वास्तविक जीवन का अंतिम गंतव्य - बैंकॉक के थावी वत्थाना में स्थित परित्यक्त घर

यह कहानी वाकई डरावनी है और अगर इस पर फिल्म बनी तो शायद इसे 'फाइनल डेस्टिनेशन' से बहुत मिलती-जुलती बताकर आलोचना की जाएगी। लेकिन कहा जाता है कि यह कहानी सच है।

2015 में, ऊब चुके सात किशोरों ने बैंकॉक के एक इलाके में एक सुनसान घर को देखने का फैसला किया। घर के भूतिया होने की अफवाह थी और किशोर उत्सुक थे। जब वे अपनी मंज़िल पर पहुँचे, तो सड़क पर आगे बढ़ते हुए उन्हें दो सुनसान इमारतें दिखाई दीं, जिनमें से एक की सामने की बत्तियाँ जल रही थीं। जैसे ही वे वहाँ पहुँचे, बत्तियाँ रहस्यमय तरीके से बुझ गईं। यह देखकर भूत-प्रेत खोजने के इच्छुक किशोर डर गए और यह सोचकर कि वे भूतिया घरों की खोज करने के लायक नहीं हैं, वे भाग गए। लेकिन भूतिया घर में सस्ते रोमांच की उनकी चाहत ने वहाँ रहने वाली आत्मा को नाराज़ कर दिया।

तीन महीने बाद, दो किशोरों की मोटरसाइकिल दुर्घटना में मौत हो गई। दुख की बात है कि थाईलैंड में ऐसी घटनाएं आम हैं, सिवाय इसके कि प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक पर लंबे बालों वाली एक महिला सफेद पोशाक पहने हुए थी। उसका शव कहीं नहीं मिला। एक साल बाद, गिरोह का एक और सदस्य

मोटरसाइकिल दुर्घटना में मारा गया और फिर से सफेद पोशाक पहने लंबे बालों वाली महिला के लापता होने की खबरें आईं।

अगले वर्ष, एक घर में आग लगने से दो और लोगों की मौत हो गई। एक पड़ोसी के अनुसार, आग लगने से ठीक पहले सफेद कपड़े पहने एक महिला को इमारत में प्रवेश करते देखा गया था।

एक स्थानीय तांत्रिक ने बताया कि किशोरों का पीछा एक क्रोधित और प्रतिशोधी आत्मा कर रही थी। समूह के बाकी दो सदस्य अभी भी जीवित हैं, लेकिन स्वाभाविक रूप से चिंतित हैं और शायद सफेद कपड़े पहने किसी भी महिला को देखकर घबरा जाते हैं। कहानी को और भी डरावना बनाने वाली बात यह है कि जिस भूतिया और वीरान घर की तलाश किशोर कर रहे थे, वह गली के शुरू में था। गली के अंत में, जहाँ उन्होंने दो घर देखे थे, वास्तव में वह सिर्फ खाली ज़मीन थी।

नोंग खाई के नागा आग के गोले

यह एक विचित्र घटना है, लेकिन दिलचस्प जरूर है। हर साल हजारों लोग नाग अग्निगोलों को देखने के लिए इकट्ठा होते हैं, जिन्हें 'मेकोंग लाइट्स' के नाम से भी जाना जाता है और पहले इन्हें 'भूतिया रोशनी' कहा जाता था। यह वार्षिक घटना मेकोंग नदी से निकलने वाले चमकते गोलों की एक श्रृंखला है, जो पूर्वोत्तर थाईलैंड के नोंग काई जिले के फोन फिसाई में स्थित है और लाओस सीमा के पास है। ये गोले लाल रंग के होते हैं और फुटबॉल जितने बड़े हो सकते हैं। इनकी संख्या कुछ से लेकर हजारों तक हो सकती है और ये आमतौर पर अक्टूबर के अंत में, बौद्ध उपवास के अंत में, वान ओक फांसा की रात को आकाश में उठते हैं।

इन गोलों के असल स्वरूप को लेकर कई तरह के सिद्धांत प्रचलित हैं। अस्सी के दशक के मध्य तक स्थानीय लोग इन्हें 'भूतिया रोशनी' कहते थे, इसलिए उस समय इनके होने का कोई न कोई कारण ज़रूर रहा होगा। लेकिन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय परिषद ने इनका नाम बदलकर अधिक आकर्षक 'नागा' रख दिया। अब स्थानीय लोगों का मानना है कि ये गोले मेकांग नदी में रहने वाले एक विशालकाय सर्प, फाया नाक से निकलते हैं। सर्प इन गोलों को बनाने के लिए क्या करता है और साल के बाकी समय में वह क्या करता है, यह आज भी एक रहस्य बना हुआ है।

कुछ अन्य वैज्ञानिक व्याख्याएँ इसे बंदूकें, गैस या प्लाज्मा जैसी प्राकृतिक चीजों से जोड़ती हैं। एक संक्षिप्त व्याख्या आवश्यक है।

यह अनुमान लगाया गया है कि आग के गोलों का असली कारण लाओस के सैनिकों का मज़ाक उड़ाना है। 2002 में एक डॉक्यूमेंट्री टीम ने लाओस के सैनिकों को हवा में ट्रेसर गोलियां चलाते हुए फिल्माया था। थाई त्योहार आमतौर पर शोरगुल भरे और अव्यवस्थित होते हैं, और थाई पक्ष के लोग ट्रेसर गोलियां कुछ सुनाई देने से कुछ सेकंड पहले ही देख लेते हैं (ध्वनि की गति प्रकाश की गति से धीमी होती है), इसलिए संभव है कि शोरगुल और संगीत की वजह से ये आवाज़ें सुनाई न दें। इसके अलावा, एक थाई जीवविज्ञानी ने रिकॉर्डिंग का विश्लेषण करके यह निष्कर्ष निकाला कि लाओस के सैनिक फ्लेयर गन चला रहे थे। शायद दोनों ही कारण हों। शायद दोनों में से कोई भी कारण न हो।

गैस सिद्धांत के अनुसार, ये आग के गोले फॉस्फीन गैस के ज्वलनशील गोले हैं। यह क्षेत्र काफी दलदली है और आग के गोले विभिन्न बिंदुओं से उठते हैं। सबसे बड़ी खामी यह है कि कोई भी यह नहीं समझा पा रहा है कि वे कैसे और क्यों आग पकड़ते हैं और जिस गति से वे आकाश में उठते हैं, वह भी पूरी तरह से गलत है। ऐसा लगता है कि उन्हें यह भी पता होता है कि बौद्ध उपवास कब चल रहा है।

अंतिम संभावना यह है कि वे प्लाज्मा के गोले हैं। इस सुझाव में सबसे बड़ी खामी यह है कि प्लाज्मा के गोले केवल नियंत्रित परिस्थितियों में उच्च तकनीक वाले उपकरणों के उपयोग से ही बनते हैं।

तो ऐसा लगता है कि मुख्य दावेदार गैस छोड़ते हुए एक विशालकाय सर्प, मौज-मस्ती करते लाओस के सैनिक या मूल 'भूतिया रोशनी' हैं। मुझे आखिरी वाला विकल्प पसंद है।

वाटर बार्न वाटर रुआन

ये भूत काफी अस्पष्ट होते हैं और कोई भी ऐसा व्यक्ति हो सकता है जिसकी मृत्यु कभी किसी संपत्ति या ज़मीन पर हुई हो। चूंकि भूत आमतौर पर ऐसे लोग होते हैं जिन्होंने जीवन में पाप किया होता है, इसलिए ये भूत अच्छे साथी नहीं होते। लेकिन कुछ आत्माएं पहले से ही उस ज़मीन पर मौजूद हो सकती हैं और उन्हें प्रसन्न करने की आवश्यकता हो सकती है। थाईलैंड में घर बनाने से पहले, भिक्षुओं द्वारा ज़मीन को आशीर्वाद दिया जाता है, जो आत्मा निवास के लिए सबसे अच्छी जगह चुनने में भी मदद करते हैं (जैसा कि प्रस्तावना में बताया गया है)। एक बार यह सब हो जाने के बाद, सब कुछ ठीक हो जाना चाहिए।

आप अपनी सुरक्षा कैसे कर सकते हैं?

भूत-प्रेतों को प्रसन्न रखने या कम से कम उन्हें दूर रखने के अनेक तरीके हैं, ठीक उसी तरह जैसे आत्माओं को घर में रखा जाता है। इनमें सबसे आम हैं सुरक्षात्मक ताबीज, टैटू और प्रतीक चिन्ह।

ताबीज

थाईलैंड में ताबीज़ बहुत लोकप्रिय हैं। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग दो-तिहाई थाई लोग इन्हें पहनते हैं और देश में लगभग हर किसी के पास कम से कम एक ताबीज़ ज़रूर होता है। ताबीज़ कई उद्देश्यों को पूरा करते हैं, जैसे धन प्राप्ति, आकर्षण और भाग्य में वृद्धि, वैवाहिक और रिश्तों में सुधार, और बुरी आत्माओं से सुरक्षा। इन्हें लकड़ी, धातु, हड्डी, प्लास्टर और पत्थर सहित कई अलग-अलग सामग्रियों से बनाया जा सकता है। 'बुद्ध ताबीज़' पर आमतौर पर बुद्ध, किसी प्रसिद्ध भिक्षु, या ताबीज़ बनाने वाले किसी प्रसिद्ध भिक्षु की छवि होती है। मंदिर में दान देने के बाद परंपरागत रूप से ताबीज दिया जाता है। भिक्षुओं द्वारा इन्हें आशीर्वाद दिया जाता है और इसी आशीर्वाद के कारण बुरी आत्माएं दूर रहती हैं। दुर्भाग्य से आजकल यह एक बेहद लाभदायक व्यवसाय बन गया है, जहां नकली ताबीजों की भरमार है। यदि आप ताबीज खरीदना चाहते हैं, तो पहले अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें।

टैटू

सक यंत टैटू (जिन्हें सक यान, यंत्र या सिर्फ यान भी कहा जाता है) 2000 साल पुराने पारंपरिक टैटू हैं जो बहुत आम हैं, यहां तक कि पर्यटक भी इन्हें बनवा रहे हैं। सच कहें तो, ये देखने में काफी आकर्षक लगते हैं। इन्हें त्वचा पर बांस से स्याही को थपथपाकर बनाया जाता है - थाई भाषा में 'थपथपाना' को 'सक' कहते हैं। आमतौर पर ये टैटू किसी ऐसे भिक्षु या गुरु द्वारा बनाए जाते हैं जिन्होंने भिक्षु और जादूगर दोनों का प्रशिक्षण लिया हो। यह कौशल दुर्लभ लगता है, लेकिन ये टैटू बहुत आम हैं।

अब तक चर्चा की गई कई बातों की तरह, ये भी पूरी तरह से बौद्ध धर्म से संबंधित नहीं हैं। टैटू और प्रतीक जीववाद/शामनवाद, ब्राह्मणवाद और बौद्ध धर्म के प्रभावों का मिश्रण हैं। यंत्र एक ज्यामितीय आकृति है जो मूल रूप से भारत से आई है और हालांकि इस टैटू शैली के कई रूप हैं, लेकिन जब आप इन्हें पहचानना सीख जाते हैं तो इनकी बनावट को आसानी से पहचाना जा सकता है। पाठ मंत्रों, तांत्रिकों या जादुई शब्दों की एक श्रृंखला के रूप में होता है और पाली भाषा में लिखा जाता है, जो संस्कृत का खमेर रूप है।

यह सब थोड़ा जटिल लग सकता है, लेकिन मूल रूप से इसका सार यह है कि सक यंत एक प्रकार का जादू है। ताबीज की तरह, ये टैटू व्यक्ति के आकर्षण, धन और स्वास्थ्य को बढ़ा सकते हैं, साथ ही यह एक वास्तविक सुरक्षा मंत्र भी है जो बुरी आत्माओं को दूर भगाने में मदद कर सकता है।

भिक्षु और जादूगर

थाईलैंड में, भूत-प्रेतों से निपटने में भिक्षुओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जैसा कि पहले बताया गया है, वे नए हवाई अड्डे, प्रेत-गृहों, ज़मीन, लोगों और लगभग हर चीज़ को आशीर्वाद देते हैं और भूत-प्रेतों को भगाते

हैं। वे ताबीज़ बनाते हैं, उन्हें आशीर्वाद देते हैं और उन पर अपनी आकृति बनाते हैं, और यहाँ तक कि जादुई टैटू भी बनाते हैं। अगर कोई बुरी आत्मा आसपास मंडरा रही हो या आपका कोई परिचित प्रेतबाधित हो, तो आप उन्हीं से संपर्क करते हैं। लेकिन क्योंकि वहाँ बहुत सारी आत्माएँ हैं, इसलिए उनकी मदद के लिए 'मो फी' (वर्तनी में भिन्नता होना स्वाभाविक है) नामक तांत्रिक भी होते हैं जो भूतों और प्रेतबाधित लोगों से लड़ते हैं। वे अक्सर भिक्षुओं के साथ मिलकर काम करते हैं।

अंतिम शब्द

जैसा कि मैंने शुरुआत में कहा था, यह पूरी तरह से मेरी रुचि और बौद्धिक जिज्ञासा को बढ़ाने के लिए था। मैं किसी धर्म का पालन नहीं करता, लेकिन मुझे थाई लोगों की आस्था प्रणाली की उदारता पसंद है। वे क्षमाशील और समझदार हैं, और जैसा कि मैंने शुरुआत में बताया, वे मुख्य रूप से बौद्ध हैं। लेकिन भूत-प्रेतों, आत्माओं, लोककथाओं और जादू-टोने में उनकी आस्था ने मुझे यहाँ रहते हुए सचमुच मोहित कर लिया है।

इस विषय पर शोध करना कठिन रहा है क्योंकि लगभग हर स्रोत में वर्तनी भिन्न है और कुछ कहानियों और जीवों के विवरण भी अलग-अलग हैं। किसी भी ऐसे जीव या भूत को, जिसका उल्लेख केवल एक ही स्रोत में हुआ हो और जिसकी पुष्टि न हो सकी हो, सूची से हटा दिया गया है। यह 'लैंड ऑफ स्माइल्स' में पाए जाने वाले सबसे लोकप्रिय और रोचक जीवों की सूची है, लेकिन यह किसी भी तरह से पूर्ण नहीं है।

यदि आप यहां बताई गई कुछ कहानियों के बारे में और अधिक जानना चाहते हैं, तो कृपया ध्यान दें कि भूत शब्द की वर्तनी अक्सर 'फाई' हो सकती है। अन्य सभी वर्तनी भिन्न हो सकती हैं!

यदि आप मूल लेख देखना चाहते हैं, तो मैंने इसे अपनी वेबसाइट पर लिखा है और यह यहाँ उपलब्ध है:

http://thewordofward.co.uk/ghosts-thailand/

वेबसाइट पर विभिन्न विधाओं में लिखी गई मेरी अन्य ई-पुस्तकों के लिंक भी मौजूद हैं। http://thewordofward.co.uk/my-writing/ आप चाहें तो इन्हें देख सकते हैं।

अंत में, यदि आपको यह पसंद आया, तो एक अच्छी समीक्षा वास्तव में बहुत मददगार होगी और इसकी बहुत सराहना की जाएगी।

धन्यवाद!

जेसन आर. वार्ड

sjeet